भारत सरकार
योजना मंत्रालय

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *135
दिनांक 04.12.2024 को उत्तर देने के लिए

आकांक्षी जिलों/ब्लॉकों के लिए संपूर्णता अभियान

*135. **श्री रोडमल नागर:**
श्री नव चरण माझी:

क्या **योजना** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों में सेचुरेशन की स्थिति प्राप्त करने के लिए संपूर्णता अभियान के अंतर्गत लक्षित प्रमुख संकेतक क्या हैं;

(ख) आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (एबीपी) के तहत निर्धारित समग्र विकास लक्ष्यों में उक्त संकेतकों से किस प्रकार योगदान मिलने की संभावना है; और

(ग) पिछले तीन माह के दौरान इन संकेतकों की प्रगति की निगरानी और प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने में इस अभियान का क्या परिणाम रहा?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय;
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय एवं
राज्यमंत्री, संस्कृति मंत्रालय

(राव इंद्रजीत सिंह)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

आकांक्षी जिलों/ब्लॉकों के लिए संपूर्णता अभियान के संबंध में दिनांक 04.12.2024 को श्री रोडमल नागर और श्री नव चरण माझी द्वारा पूछे गए लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या *135 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) संपूर्णता अभियान के भाग के रूप में सेचुरेशन की स्थिति प्राप्त करने के लिए आकांक्षी जिला कार्यक्रम और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत प्रत्येक में छह प्रमुख कार्य निष्पादन संकेतक (केपीआई) चिन्हित किए गए थे। इन संकेतकों की सूची अनुलग्नक 1 में दर्शाई गई है।

(ख) संपूर्णता अभियान में तीन महीने की अवधि के भीतर सेचुरेशन की स्थिति प्राप्त करने के लिए आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (एबीपी) के तहत प्रत्येक छह संकेतकों को प्राथमिकता देकर एक केंद्रित और समयबद्ध दृष्टिकोण अपनाया गया। इस कार्यनीति ने एक केंद्रित प्रयास सुनिश्चित किया, जिससे विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर त्वरित और वास्तविक प्रभाव पड़ा। इस केंद्रित और त्वरित दृष्टिकोण से न केवल तेजी आई, बल्कि आकांक्षी जिला कार्यक्रम और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत निरंतर सुधार प्राप्त करने के लिए एक अनुकरणीय मॉडल का निर्माण भी हुआ।

(ग) जुलाई से सितंबर 2024 की अवधि के दौरान, संपूर्णता अभियान ने प्रगति की निगरानी और अपने लक्षित संकेतकों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की। जिलों और ब्लॉकों ने चिन्हित किए गए छह संकेतकों को संतृप्त करने के संबंध में केंद्रित संरचित कार्य योजनाएँ तैयार कीं, जो समन्वित प्रयासों के लिए एक रोडमैप के रूप में प्रयुक्त हुईं। मासिक प्रगति ट्रैकिंग से कार्यान्वयन संबंधी चुनौतियों की तत्क्षण पहचान हुई और समाधान संभव हुआ, जिससे समय पर सुधार सुनिश्चित हुआ। सामुदायिक जागरूकता बढ़ाने और आवश्यक सरकारी सेवाओं के उपयोग में सुधार आने के लिए व्यवहार परिवर्तन अभियान चलाए गए। इसके अतिरिक्त, जिला और ब्लॉक अधिकारियों ने डेटा सत्यापन सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र के दौरे के माध्यम से समवर्ती निगरानी की।

अनुलग्नक-I

आकांक्षी जिलों/ब्लॉकों के लिए संपूर्णता अभियान के संबंध में दिनांक 04.12.2024 को श्री रोडमल नागर और श्री नव चरण माझी द्वारा पूछे गए लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या *135 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

आकांक्षी जिला कार्यक्रम - सम्पूर्णता अभियान के तहत के.पी.आई

क्र.सं.	**संकेतक**
1.	पहली तिमाही में ए.एन.सी. के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत
2.	पूर्ण टीकाकरण करा चुके बच्चों (9-11 माह) का प्रतिशत
3.	पूरक पोषण लेने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत
4.	वितरित मृदा स्वास्थ्य कार्डों की संख्या
5.	विद्युत सुविधा वाले चालू विद्यालयों का प्रतिशत
6.	एक महीने के भीतर बच्चों को पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराने वाले स्कूलों का प्रतिशत

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम - सम्पूर्णता अभियान के तहत के.पी.आई

क्र.सं.	**संकेतक**
1.	पहली तिमाही के दौरान प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत
2.	लक्षित जनसंख्या की तुलना में उच्च रक्तचाप की जांच कराने वाले व्यक्तियों का प्रतिशत
3.	लक्षित जनसंख्या की तुलना में मधुमेह की जांच कराने वाले व्यक्तियों का प्रतिशत
4.	आईसीडीएस कार्यक्रम के अंतर्गत नियमित रूप से पूरक पोषण लेने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत
5.	ब्लॉक में कुल स्वयं सहायता समूह की तुलना में परिक्रामी निधि प्राप्त करने वाले स्वयं सहायता समूह का प्रतिशत
6.	लक्षित मृदा नमूना संग्रहण की तुलना में बनाए गए मृदा स्वास्थ्य कार्डों का प्रतिशत

*****